POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.-2 (Sub.)

Dr. HUSNIA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

राजनीतिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण का महत्व -

राजनीतिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण के विकास में कैटलिन का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस दृष्टिकोण को अत्यंत महत्वपूर्ण माना है और इसके कतिपय महत्व एवं लाभ बताए हैं —

① यह समाज के संबंधों और उसकी संरचना को सम्पूर्ण रूप से समझने के कार्य को सरल बना देता है।

② यह राजनीतिक अध्ययन को समाज के एक सामान्य सिद्धांत से जोड़ता है।

③ राजनीतिशास्त्री को समाज में विकसित होने वाली प्रवृत्तियों के संदर्भ में विश्लेषण करना चाहिए।

④ इस उपागम के अंतर्गत सिर्फ राज्य एवं सरकार की वास्तविकता एवं औपचारिक संस्थानों का ही अध्ययन नहीं होता बल्कि सामाजिक संस्थानों, संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाता है।

⑤ इसमें राजनीति का समाजशास्त्रीय परिवेश में अध्ययन किया जाता है।

इस प्रकार उपर्युक्त विवेचन के आधार पर हम पाते हैं कि राजनीतिक - समाजशास्त्रीय उपागम तुलनात्मक अध्ययन एवं विश्लेषण के लिए व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करता

Scanned with CamScanner